भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2651
07.08.2024 को उत्तर देने के लिए

ग्रामीण-शहरी जनसंख्या का आर्थिक सर्वेक्षण

2651. श्री कीर्ति आज़ाद:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आर्थिक सर्वेक्षण में दर्शाई गई ग्रामीण-शहरी जनसंख्या का प्रतिशत अनुमानित आंकड़ों पर आधारित है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या अनुमान में प्रवासन को भी शामिल किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) से (घ): महोदय, जैसा कि नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में उद्धृत किया गया है, यह अपेक्षा की जाती है कि वर्ष 2030 तक भारत की 40% से अधिक जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में रहेगी। यह आकलन नीति आयोग के अध्ययनों और उसकी रिपोर्टों के आधार पर किया गया है।

इसके अतिरिक्त, जहाँ तक प्रवासन से संबंधित सूचना का संबंध है, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जुलाई 2020 से जून 2021 की अवधि के दौरान संचालित किये गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में घरेलू सदस्यों के प्रवासन विवरणों के संबंध में सूचना एकत्रित की गईहै। आन्तरिक प्रवासियों का प्रतिशत चार प्रकार के ग्रामीण-शहरी प्रवास विभाजन (अर्थात ग्रामीण क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों को, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों को, शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों को और शहरी क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों को) के अनुसार निम्नांकित सारणी में दिया गया है।

अखिल भारतीय	ग्रामीण क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों को	शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों को	ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों को	शहरी क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों को	समस्त
व्यक्ति	55.0	10.2	18.9	15.9	100.0

*****